प्रेस नोट

लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पशु शल्य चिकित्सा एवं क्षरश्मि विभाग में 'डायग्नोस्टिक इमेजिंग टेक्नीक इन वेटरनरी मेडिकल प्रैक्टिस' पर दस दिवसीय प्रशिक्षण का 21.11.17 मंगलवार को उद्घाटन किया गया। 21 से 30 नवम्बर 2017 तक चलने वाले इस पाठ्यक्रम के दौरान, भारत भर से विभिन्न क्षेत्रों के 24 प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों को पशुओं के रोगों के निदान एवं उपचार हेतु उपयोग होने वाले इमेजिंग टेक्निक्स पर प्रशिक्षित किया जायेगा।

इस समारोह के मुख्य अतिथि लुवास के कुलपति डॉ. गुरदियाल सिंह ने इस अवसर पर कहा कि पशुओं के कल्याण के लिए पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में ऐसे उन्नत प्रशिक्षण की आवश्यकता है। इस पाठ्यक्रम से युवा प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक विशेष रूप से लाभान्वित होंगे। अनुसंधान निदेशक एवं प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. पी के कपूर ने सभी प्रशिक्षनार्थियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण का अधिक स अधिक लाभ उठाने की अपील की। मानव संसाधन एवं प्रबंधन निदेशिका डॉ. नीता खन्ना ने भविष्य में इस प्रकार के प्रशिक्षण के और अधिक आयोजन पर बल दिया।

पशु शल्य चिकित्सा एवं क्षरश्मि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने अपने विभाग की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि भारत में सर्वप्रथम पशुओं के लिए एक्सरे मशीन इसी विभाग में लगाई गयी है एवं काफी अनुसंधान हुआ है। इसके साथ प्रशिक्षण पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु पुरानी और अत्याधुनिक सभी तरीकों के इमेजिंग टैक्निक से रूबरू होंगे, जो कि पशुओं के रोगों के निदान मं सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दीपक तिवारी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया गया।

November, 2017)
Organized by
Department of Veterinary Surgery and Radiology
College of Veterinary Sciences
Lala Lajpat Rai University of Veterinary and Animal Sciences
Hisar (Haryana) – 125 004